

संख्या 36033/5/2004 - रक्षापना (आरक्षण)

भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

गोर्या बलौक, नई दिल्ली ।

दिनांक 14 अक्टूबर, 2004

सेवा में,

सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिव ।

विषय:- अन्य पिछड़े वर्गों में से सम्पन्न वर्ग के संबंध में रपटीकरण ।

महोदय,

मुझे इस विभाग के दिनांक 08 अक्टूबर, 1993 के कार्यालय ज्ञापन संख्या-36012/22/93-(एस.सी.टी.) की अनुसूची, जिसमें अन्य पिछड़े वर्गों में से सम्पन्न वर्ग का निर्धारण करने संबंधी मानदंड विहित हैं, की ओर आपका प्यान आकर्षित करने का निर्देश हुआ है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों की सिविल सेवाओं में नियुक्त कार्मिकों के डच्चों के संबंध में इस कार्यालय ज्ञापन में यह प्रावधान है कि ऐसे पुनर तथा पुत्री/पुत्रियों:-

- (क) जिनके माता-पिता, दोनों ही सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'क' अधिकारी हैं;
- (ख) जिनके माता-पिता ने से कोई एक सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'क' अधिकारी हैं;
- (ग) जिनके माता-पिता, दोनों ही सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'क' अधिकारी हैं, किन्तु उनमें से एक की मृत्यु हो जाए तथा उसकी अक्षमता का शिकार हो जाए;
- (घ) जिनके माता-पिता में से एक सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'क' अधिकारी है और उसकी मृत्यु हो जाए तथा वह उसकी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाए और उसने ऐसी मृत्यु अथवा ऐसी अक्षमता से पूर्व उनमें से किसी ने संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अन्तरराष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए नियोजन की प्रसुविधा प्राप्त की हो;
- (ङ) जिनके माता-पिता, दोनों ही सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'क' अधिकारी हैं और जिनकी मृत्यु हो जाए तथा उसकी अक्षमता का शिकार हो जाए और दोनों की ऐसी मृत्यु अथवा ऐसी रक्षायी अक्षमता से पूर्व उनमें से किसी ने संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अन्तरराष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि के नियोजन की प्रसुविधा प्राप्त की हो;
- (च) जिनके माता-पिता, दोनों ही सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी-।/समूह 'ख' अधिकारी हैं;

- (अ) जिनके माता-पिता में से एक केवल पति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी है और वह 40 वर्ष अथवा हसासे पूर्व उम्री आयु में थेर्णी-।।/समूह 'क' अधिकारी बन जाएः
- (ब) जिनके माता-पिता, दोनों ही सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी है और उनमें से एक की मृत्यु हो जाए अथवा स्थायी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाए एवं उनमें से किसी एक ने ऐसी मृत्यु अथवा स्थायी अक्षमता से पूर्व संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अन्तरराष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए नियोजन की प्रसुविधा प्राप्त की हो;
- (क) जिनके माता-पिता में से केवल पति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'क' अधिकारी हो (सीधी भर्ती से नियुक्त अथवा 40 वर्ष से पूर्व पदोन्नत) एवं पत्नी सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी हो तथा पत्नी की मृत्यु हो जाए अथवा स्थायी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाएः तथा
- () जिनके माता-पिता में से पत्नी सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'क' अधिकारी हो (सीधी भर्ती से नियुक्त अथवा 40 वर्ष से पूर्व पदोन्नत) एवं पति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी हो तथा पति की मृत्यु हो जाए अथवा वह स्थायी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाए

तो उन्हे सम्पन्न वर्ग में शामिल समझा जाएगा ।

2. अनुसूची में आगे यह भी प्रावधान है कि ऐसे पुत्र और पुत्रियाँ:-

- (i) जिनके माता-पिता में से कोई एक या दोनों सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'क' अधिकारी हों और यथा नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) की मृत्यु हो जाए अथवा वह (वे) स्थायी तौर पर अक्षमता बन शिकार हो जाएः
- (ii) जिनके माता-पिता दोनों ही सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी हों और उनमें से एक की मृत्यु हो जाए अथवा स्थायी अक्षमता का शिकार हो जाएः
- (iii) जिनके माता-पिता दोनों ही सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त थेर्णी-।।/समूह 'ख' अधिकारी हों और दोनों की मृत्यु हो जाए अथवा दोनों ही स्थायी अक्षमता का शिकार हो जाएः, चाहे उनमें से किसी ने ऐसी मृत्यु अथवा अक्षमता से पूर्व संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अन्तरराष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए नियोजन की प्रसुविधा प्राप्त की हो ।

सम्पन्न वर्ग में रामलित नहीं समझे जाएँगे ।

3. सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्तियों के पुत्रों और पुत्रियों के सम्पत्ति वर्ग के दर्जे के निर्धारण के लिए तथा दिए गए मानदण्ड सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों, बैंकों, दीमा संगठनों, विश्वविद्यालयों इत्यादि में समवक्ष अथवा समतुल्य पद प्राप्त करने वाले अधिकारियों तथा साथ ही गैर सरकारी नियुक्ति के अंतर्गत समवक्ष अथवा समतुल्य पदों और स्तरों पर कार्य करने वाले अधिकारियों पर यद्योगित परिवर्तन राहित लागू होते हैं। ऐसे संगठनों जहाँ पदों का मूल्यांकन समवक्ष अथवा तुलनीय आधार पर नहीं किया गया है, के कर्मचारियों के पुत्रों और पुत्रियों के संबंध में सम्पत्ति वर्ग के दर्जे का निर्धारण उन्मुखी में दिए गए आय/सम्पत्ति परीक्षण के आधार पर किया जाता है। आय/सम्पत्ति परीक्षण में यह निर्धारित किया गया है कि ऐसे व्यक्ति जिनकी सकल वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए अथवा इससे अधिक है अथवा जिनकी राष्ट्रिय, सम्पत्ति कर अधिनियम में निर्धारित छूट सीमा से लगातार तीन वर्ष तक अधिक रहती है तो उनके पुत्र और पुत्रियों सम्पत्ति वर्ग में शामिल समझे जाएँगे। आय/सम्पत्ति कर परीक्षण के नीचे दिए गए स्पष्टीकरण में यह प्रावधान है कि वेतन से हुई आय अथवा कृपया से हुई आय को जोड़ा नहीं जाएगा।

4. सम्पत्ति वर्ग का निर्धारण करने के लिए उपर्युक्त प्रावधानों के सदर्भ में समय-समय पर निम्नलिखित प्रश्न उठाए गए हैं :

- (i) क्या उन माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों को सम्पत्ति वर्ग से बाहर समझा जाएगा जिनमें से कोई एक अथवा दोनों सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी ।/समूह 'ख' अधिकारी हों और सेवानियुक्ति के पश्चात दोनों की मृत्यु हो जाए अथवा रक्षायी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाए ?
- (ii) क्या उन माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों को सम्पत्ति वर्ग से बाहर समझा जाएगा जो दोनों ही सीधी भती द्वारा नियुक्त श्रेणी- ।/समूह 'ख' अधिकारी हो और सेवानियुक्ति के पश्चात दोनों की मृत्यु हो जाए अथवा रक्षायी अक्षमता का शिकार हो जाए यद्यपि दोनों की ऐसी मृत्यु अथवा ऐसी रक्षायी अक्षमता से पूर्व उनमें से किसी एक ने संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय नृदा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अन्तरराष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि की नियुक्ति वी प्रस्तुतिया प्राप्त की हो ?
- (iii) ऐसे माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों जो अपने माता-पिता की सेवारत रहने के दौरान उनकी सेवा श्रेणी के कारण सम्पत्ति वर्ग में आते थे, क्या अपने माता-पिता की सेवानियुक्ति के पश्चात भी सम्पत्ति वर्ग में रहेंगे ?

- (V) क्या ऐसे माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों सम्पत्ति वर्ग (ग्रीमीलेयर) के अंतर्गत माने जाएंगे, जिनमें पति, सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||।/समूह 'ग' अथवा श्रेणी IV/समूह 'घ' कर्मचारी हो और 40 वर्ष की आयु तक या इससे पूर्व वह श्रेणी- ||/समूह 'क' अधिकारी बन गया हो ?
- (VI) क्या कोई ऐसा उम्मीदवार जो स्वयं सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'ख' अधिकारी हो अथवा सीधी भती से नियुक्त श्रेणी ||/समूह 'ख' अधिकारी हो और 40 वर्ष की आयु तक अथवा उससे पहले श्रेणी ||/समूह 'क' अधिकारी बन गया हो, अपनी सेवा के स्तर के आधार पर सम्पत्ति वर्ग के अंतर्गत माना जाएगा ?
- (VII) क्या कोई ऐसा उम्मीदवार सम्पत्ति वर्ग के अंतर्गत माना जाएगा जिसकी राकल दर्शक आय 2.5 लाख, रुपए अथवा उससे अधिक हो अथवा लगातार तीन वर्षों से सम्पत्ति कर अधिनियम में यथा निर्दिष्ट छूट की सीमा से अधिक संपदा रखता रहा हो ?
- (VIII) अनुदेशों में यह प्रावधान है कि अन्य पिछड़े वर्ग की किसी महिला को, जिसका विवाह, सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'क' अधिकारी के साथ हुआ है, विवाह के आधार पर सम्पत्ति वर्ग के अंतर्गत नहीं माना जाएगा । अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी का कोई ऐसा पुस्तक जिसका विवाह, सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'क' अधिकारी महिला के साथ हुआ हो, क्या अपने विवाह के आधार पर सम्पत्ति वर्ग के अंतर्गत माना जाएगा ?
- (IX) सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे उपकरणों आदि में कार्यरत माता-पिता के पुत्रों और पुत्रियों के सम्बन्ध में आय/सम्पत्ति परीक्षण किस प्रकार लागू होगा, जिसके पदों की समकक्षता अथवा तुल्यता सारणार के पदों के सम्बन्ध स्थापित नहीं है ?
- (X) आय/सम्पत्ति परीक्षण (संबंधी प्रावधान) के नीति दिए गए स्पष्टीकरण “केतन अथवा कृषि भूमि से होने वाली आय को मिलाया नहीं जाएगा ” की व्याप्ति किस सीमा तक है ?

5. उपर्युक्त पैरा 4 के खंड (i), (ii), (iii) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे पुत्र और पुत्रियों जिनके :-

- (क) माता-पिता में से कोई एक अथवा दोनों सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'क' अधिकारी हैं और ऐसे नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाए अथवा वह (वे) स्थायी रूप से अक्षम हो जाए;
- (ख) माता-पिता दोनों ही सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'ख' के अधिकारी हैं और उनमें से एक की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाए अथवा वह स्थायी रूप से अक्षम हो जाए; और माता-पिता जो दोनों ही सीधी भती से नियुक्त श्रेणी- ||/समूह 'ख' के अधिकारी हैं और दोनों की ही सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाए अथवा है स्थायी रूप से अक्षम हो जाए, भले ही उनकी ऐसी मृत्यु अथवा स्थायी अक्षमता से पूर्व उनमें से किसी एक ने संयुक्त राष्ट्र, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक आदि जैसी अंतरराष्ट्रीय संगठनों में कम से कम 5 वर्ष की अवधि छोटी नियुक्ति की प्रस्तुतिया प्राप्त की हो -

सम्पत्र वर्ग (कीमी लेखर) के अंतर्गत नहीं आते। किन्तु यदि ऐसे मामलों में मूल्य अथवा स्थाई अवामता सेवानिवृति के पश्चात् हो तो ऐसे माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों सम्पत्र वर्ग (कीमी लेखर) के अंतर्गत माने जाएंगे और उन्हें आरक्षण का साध प्राप्त नहीं होगा।

6. पैरा 4 के खंड (iv) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों जिन्हें अपने माता-पिता के सेवा नकार के आधार पर सम्पत्र वर्ग में शामिल नहाना गया है, सम्पत्र वर्ग में शामिल नहीं जाते रहेंगे, जहाँ उनके माता-पिता सेवानिवृत्त हो गए हो अथवा सेवानिवृत्त के बाद उनकी मूल्य हो गई हो।

7. पैरा 4 के खंड (v) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे पुत्र और पुत्रियों, जिनके माता-पिता ने उन एनक्सन भवि सीधी भर्ती से नियुक्त की-।।/समूह 'ख' अधिकारी है और जो 40 वर्ष की आयु तक अथवा उससे पूर्व की-।।/समूह 'क' अधिकारी बन जाए, सम्पत्र वर्ग के अंतर्गत माने जाएंगे। यदि पिता सीधी भर्ती से नियुक्त की-।।/समूह 'ग' अधवा की-।।/समूह 'घ' कर्मचारी हैं और वह 40 वर्ष की आयु अथवा उससे पूर्व की-।।/समूह 'क' अधिकारी बन जाए तो उसके पुत्र और पुत्रियों सम्पत्र वर्ग के अंतर्गत नहीं माने जाएंगे।

8. पैरा 4 के खंड (vi), (vii) और (viii) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि उम्मीदवार के सम्पत्र वर्ग के दर्जे का निर्धारण उसके माता-पिता के दर्जे के आधार पर किया जाता है न कि उसकी हिसियत अथवा आय अथवा उसके पति/पत्नी जी की हिसियत अथवा आय के आधार पर। अतः, विस्तीर्ण व्यक्ति के सम्पत्र वर्ग के दर्जे का निर्धारण करते समय उम्मीदवार की स्वयं जी की हिसियत अथवा आय अथवा उसके पति/पत्नी जी की हिसियत अथवा आय को द्वारा में नहीं रखा जाएगा।

9. पैरा 4 के खंड (ix) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसे व्यक्तियों जो किसी ऐसे संगठन में कार्यरत हैं जिनके पदों जी राजकाकारा अथवा तुल्यता सरकार के अंतर्गत पदों के साथ मूल्यांकित नहीं की गई है, के पुत्र और पुत्रियों के सम्पत्र वर्ग के दर्जे का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया जाता है-

माता-पिता की, वेतन तथा अन्य स्रोतों (वेतन तथा कृषि भूमि को छोड़कर) से होने वाली आय का पृथक् रूप से निर्धारण किया जाए। यदि माता-पिता की वेतन से होने वाली आय अथवा अन्य स्रोतों (वेतन तथा कृषि भूमि को छोड़कर) से होने वाली आय में से कोई भी लगातार तीन वर्षी तक 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक रहती हो तो ऐसे माता-पिता के पुत्र और पुत्रियों सम्पत्र वर्ग के अंतर्गत माने जाएंगे। किन्तु ऐसे माता-पिता जिनकी वेतन से होने वाली आय 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है और अन्य स्रोतों से होने वाली आय भी 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है, के पुत्र और पुत्रियों को सम्पत्र वर्ग के अंतर्गत नहीं

माना जाएगा, चाहे उनके वेतन से होने वाली आय तथा अन्य खोतों से होने वाली आय का योग लगातार तीन वर्षों से 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक ही बढ़ो न हो । यह भी व्यान रखा चाहे कि कृषि भूमि से होने वाली आय को यह परीक्षण लागू करते समय नहीं दिना जाएगा ।

10. पैरा 4 के खंड (x) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि कार्यालय इापन की अनुसूची की श्रेणी-VI में दिए गए अनुसार किसी उम्मीदवार के सम्पत्ति वर्ग के दर्जे का निर्धारण करने के लिए आय/सम्पत्ति परीक्षण लागू करते समय वेतन से होने वाली आय तथा कृषि भूमि से होने वाली आय की नहीं दिना जाएगा । इसका लात्पर्य यह है कि यदि किसी उम्मीदवार के भाता-मिला के आय की नहीं दिना जाएगा । इसका लात्पर्य यह है कि यदि किसी उम्मीदवार के भाता-मिला के आय 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक हो, कृषि भूमि से होने वाली आय 2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक हो किन्तु अन्य खोतों से होने वाली आय 2.5 लाख प्रति वर्ष से कम हो तो आय/सम्पत्ति परीक्षण के अधार पर उम्मीदवार को सम्पत्ति वर्ग के अंतर्गत नहीं माना जाएगा वशर्त कि उसके भाता-मिला (दोनों) के पास लगातार तीन वर्षों की अवधि से सम्पत्ति कर अधिनियम में व्यान निर्धारित छूट सीमा से अधिक घन न रहा हो ।

11. आपसे अनुरोध है कि इस पत्र की विषय-वरतु राज्य के सभी संबंधित व्यक्तियों/कार्यालयों के व्यान में ला दें ।

भवदीय,

(के. जी. शर्मा)

भारत सरकार के उप सचिव

प्रति निम्नलिखित को इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि इस पत्र की विषय वरतु राज्यी संबंधित पक्षों के व्यान में ला दें ।

1. भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/दिनांग ।
2. आधिक कार्य दिनांग (बैंकिंग प्रमाण) नई दिल्ली ।
3. आधिक कार्य दिनांग (दीमा प्रमाण) नई दिल्ली ।
4. लोक उद्यम दिनांग, नई दिल्ली ।
5. ऐलवे बोर्ड ।
6. संघ लोक दौदा आयोग/भारत का सर्वोच्च न्यायालय/नियायिन आयोग/लोक सभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय/भैत्रियनगर सचिवालय/केन्द्रीय सतर्कता आयोग/राष्ट्रपति सचिवालय/प्रधान मंत्री का कार्यालय/योजना आयोग/राष्ट्रीय पिचङ्गा वर्ग आयोग ।
7. कर्मचारी चयन आयोग, सी.जी.ओ. काम्पलैफ्स, लोटी रोड, नई दिल्ली ।
8. भारत के नियंत्रक तथा महालेला परीक्षक, 10 बहादुर शाह जफर नारे, नई दिल्ली ।